आराधना

किमत रु० ।।

शर्मिला टेगोर • राजेश खन्ना • सुजीत कुमार और फरीदा जलाल

* शक्ती सामंता कृत *

डायरेक्टर-शक्ती सामंता 卐 म्युझिक-एस. डी. बर्मन

कलाकार-राजेशखन्ना, शर्मिला टागोर, सुजितकुमार, मदनपुरी

गाने—आनंद बक्षी

आराधना के गाने

किशोरकुमार— १

मेरे सपनों की रानी कब आयेगी तू
आई रुत मस्तानी कब आयेगी तू
बिति जाए जिंदगानी कब आयेगी तू
चली आ तू चली आ.....
प्यार की गलियां बागों की कलियां
सब रंगरलियां पूछ रही है
गीत पनघट पे किस दिन गायेगी तू
मेरे सपनों की रानी.....
फूल सी खिल के पास आ दिलके
दूर से मिलके चैन न आये
और कब तक मुझे तडपायेगी तू
मेरे सपनों की रानी.....
क्या है भरोसा आशिक दिलका
और किसी पे ये आजाए
आ गया तो बहुत तडपायेगी तू, मेरे सपनों...

किशोर, लता— २

लडका-कोरा कागज था ये मन मेरा
लिख लिया नाम इस पे तेरा
लडकी-सुना आंगन था जिवन मेरा
बस गया प्यार इस में तेरा
लडका-टूठ न जाए सपने मै डरता हूं
निस दिन सपनों में देखा करता हूं
नैना कजरारे ये मतवारे इशारे खाली दर्पन था ये मन मेरा
रच गया रुप इस में तेरा कोरा कागज...
लडकी-चैन गंवाया मैने निंदिया गंवाई
सारी सारी रात मैं जागूं दूं मै दुहाई
कहूं क्या मै आगे, नेहा लागे, जी ना लागे
कोई दुश्मन था ये मन मेरा
बन गया मित जाके तेरा कोरा कागज...
लडका-बागों में फूलों के खिलने से पहले
लडकी-तेरे मेरे नैनों के मिलने से पहले
लडका-कहां थी ये बातें
लडकी-मुलाकाते लडका-एसीं रातें
लडकी-टूटा तारा था ये मन मेरा
लडका-बन गया चांद हो के तेरा

दोनों-कोरा कागज था ये मन मेरा
लिख लिया नाम इस में तेरा

रफी, आशा— ३

लडका-गुनगुना रहे है भंवरे खिल रही है कली २
लडकी-गली गली लडका-कली कली
लडकी-जरा देखो सजन बेईमान भंवरा मुस्काएं
लडका-हाय कली यूं शरमाए
घुंघट में गोरी जैसे छुप जाए
लडकी-रुत ऐसी हाय कैसी ये पवन चली गली २
गुनगुना रहे है भंवरे...
लडका-किसी को क्या कहे हम दोनों है देखो
कुछ खोये खोये
लडका-खोये हुए क्या ओय ओय जागे
जिया में अरमान सोये सोये
लडका-रुत ऐसी हाय कैसी ये पवन चली गली गली
गुनगुना रहे है भंवरे...
लडकी-सुनो पास न आओ कली के बहाने प्यार न जताओ
लडका-जाओ चलो बात न बनाओ
भंवरे के बहाने प्यार न जताओ
लडकी-रुत ऐसी हाय कैसी ये पवन चली गली २
गुनगुना रहे है भंवरे...

किशोरकुमार— ४

रुप तेरा मस्ताना प्यार मेरा दिवाना
भूल कोई हमसे ना होजाए
रात नशीली मस्त समां है आज नशे में सारा जहां है
हाय शराबी मौसम बहका, रुप तेरा...
आंखोंसे आंखें मिलती है ऐसे बेचैन होके तूफां में जैसे
मौज कोई साँहिल से टकराये, रुप तेरा...
रोक रहा है हम को जमाना
दूर ही रहना पास न आना
कैसे मगर कोई दिलको समझाये, रुप तेरा...

एस. डी. बर्मन— ५

बनेगी आशा एक दिन तेरी निराशा
काहे को रोये चाहे जो होये
सफल होगी तेरी आराधना
समा जाय इसमें तूफान जिया तेरा सागर समान
नजर तेरी काहे नादान छलक गई गागर समान
ओ—जाने क्यों तू ने यूं
आंसुओं से नैन भिगोये
काहे को रोये चाहे जो होये
दिया टूटे तो है माटी
जले तो ये ज्योति बने

वह आंसू तो है पानी रुके तो वे मोती बने
ओ ये मोती आंखों की पूंजी है ये ना खोए
काहे को रोये चाहे जो होये.....
कहीं पे है दुश्मन की छाया
कहीं पे है खुशियों की धूप
बुरा भला जैसा भी है
यही तो है बगिया का रुप
ओ फूलों से कांटों से माली ने हार पिरोए
काहे को रोये चाहे जो होये.....
सफल होगी तेरी आराधना.....

६

लता—
चन्दा है तू मेरा सूरज है तू
ओ मेरी आंखों का तारा है तू
जीती हूं मै बस तुझे देखके इस टूटे दिलका सहारा है तू
तू खेले, खेले कई मेरा खिलौना है तू
जिससे बंधी हर आशा मेरी मेरा वो सपना सलोना है तू
नन्हासा है कितना सुंदर है तू
छोटासा है कितना प्यारा है तू, चन्दा है तू...
मुन्ना तू खुश है बडा तेरे गुड्डे की शादी है आज
मै वारी रे मै बलिहारी रे
घूंघट में गुडिया को आती है लाज

यूं ही कभी होगी शादी तेरी
दुल्हा बनेगा कुंवारी है तू, चन्दा है तू...
पुरवाई बन में उडे पंछी चमन में उडे
राम करें कभी होके बडा
तू बन के बादल गगन में उडे
जो भी तुझे देखे वो ये कहे
किस मां का ऐसा दुलारा है तू, चन्दा है तू...

लता, रफी—
लडका-बागों में बहार है लडकी-है
लडका-कलियों पे निखार है लडकी-है
लडका-तुम को मुझसे प्यार है
लडकी-ना ना ना ना ना ना २
लडकी-छोडो हटो जाओ पकडो न बैयां
आऊं ना मै तेरी बातों में सैयां
लडका-तुम ने कहां है देखो, देखो मुझे सैयां
बोलो तुम को इकरार है
लडकी-हां है
लडका-फिर भी इन्कार है लडकी-हां है
लडका-तुमको मुझ से प्यार है
लडकी-ना ना ना ना ना ना

लडका-तुमने कहा था मै सा दुःख सहूंगी
छुप के पिया तरे मन में रहूंगी
लडकी-मै सब कहूंगी लेकिन वो न कहूंगी
तुमको जिसका इंतजार है लडका-है
लडकी-फिर भी तकरार है
लडका-है तुम को मुझ से प्यार है
लडकी-ना ना ना ना ना ना नहीं नहीं नहीं नहीं
लडकी-अच्छा छेडो आगे कहानी
होती है क्या बोलो प्यार की निशानी
लडका-बेचैन रहती है प्रेम दिवानी
बोलो क्या दिल बेकरार है लडकी-है
लडका-मुझपे एतबार है लडकी-हां है
लडका-जीना दुश्वार है लडकी-है है
लडका-आज सोमवार है लडकी-अरे बाबा है
लडका-तुम को मुझ से प्यार है
लडकी-है...ना ना ना...ना ना ना

प्रकाशक—एफ. बी. बुरहानपूरवाला, सैंट्रल प्रकाशन, सिंप्लेक्स बिल्डिंग, पाववाला स्ट्रीट, ड्रीमलैंड सिनेमा, न्यू चार्निरोड बंबई ४
मुद्रक—एस. के. खरगोनवाला
बाकीर प्रिंटिंग प्रेस, मुझफराबाद हॉल, ग्रांटरोड, बंबई ७